महाविद्यालय में आज दिनांक 10-11-2024 को प्राचार्य कक्ष में NAAC सम्बद्धता पर विचार करने के लिए IQAC की एक अति आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे —

(i) श्री एस. डी. मीना (प्राचार्य)
(ii) डॉ० सत्यवती (समन्वयक)
(iii) श्री हंसराज परिहार (सदस्य)
(iv) श्री दीपेन्द्र सोलंकी (सदस्य)
(v) डॉ. विरेन्द्र सिंह मीठ (सदस्य)
(vi) श्रीमती सरिता (सदस्य) सरिता
(vii) श्री राजेन्द्र प्रसाद मल (सदस्य)
(viii) श्री सुभाष चन्द मीना (सदस्य)

इस बैठक में महाविद्यालय में प्रस्तावित NAAC सम्बद्धता से सम्बन्धित मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। महाविद्यालय में कार्यालय की सुसज्जा का होना आवश्यक है। कार्यालय की सुसज्जा के लिए काउन्टर बनाने पर सहमति हुई तथा कार्यालय के लिए आवश्यक फर्नीचर बनाने पर भी विचार विमर्श हुआ। उसके साथ ही साथ कार्यालय के समस्त प्रपत्रों की व्यवस्थित फाईलिंग करने पर जोर दिया गया। कार्यालय को कागज रहित बनाने के लिए कम्प्यूटराइजेशन पर भी विचार विमर्श किया गया। महाविद्यालय में कार्यालय में रिक्त पदों पर योग्य कार्मिकों की नियुक्ति हेतु राज्य सरकार से निवेदन करने का प्रस्ताव भी लिया गया।

NAAC की सम्बद्धता के लिए महाविद्यालय में खेलकूद प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु क्रीड़ांगण का होना आवश्यक है जबकि महाविद्यालय में पर्याप्त

चूँकि खेल के आयोजन हेतु भी क्रीड़ा प्रांगण का निर्माण की क्योंकि क्रीड़ा प्रांगण विकसित करने के लिए वित्तीय आवश्यकता मुख्य है जबकि महाविद्यालय के पास उस मद हेतु वित्तीय संसाधनों का अभाव है अतः इस बैठक में सभी सदस्यों ने एकमत होकर यह राय व्यक्त की कि राज्य सरकार से इस मद हेतु वित्त प्राप्त करने का प्रयास किया जाना चाहिए तथा स्थानीय भामाशाहों को भी इस कार्य हेतु प्रेरित करना चाहिए। इसके साथ-ही साथ इस बैठक में नियमित खेल प्रशिक्षक (P.T.I.) की सेवा नियुक्ति के लिए राज्य सरकार से निवेदन पर विचार किया गया। जब तक राज्य सरकार से नियमित खेल प्रशिक्षक की नियुक्ति नहीं होती तब तक स्थानीय स्तर पर विकास समिति से इसकी व्यवस्था करने पर सहमति प्रदान की।

महाविद्यालय में ऑडिटोरियम के रखरखाव हेतु एक अतिरिक्त कर्मचारी की आवश्यकता पर विचार विमर्श किया गया तथा इसके प्रभावी सदुपयोग हेतु आवश्यक साज-सज्जा जुटाने पर भी विचार हुआ। उपस्थित सदस्यों ने एकमत होकर उपर्युक्त कार्यों की सहमति प्रदान की। अन्त में यह बैठक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सम्पन्न हुई।

(संयोजक) (प्राचार्य)